an>

Title: Need to declare income of dairy sector as agriculture income.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर) ः ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 70 प्रतिशत मवेशी छोटे, मझोले और सीमान्त किसानों के पास हैं, जिनकी पारिवारिक आमदनी का बहुत बड़ा हिस्सा दूध बेचने से प्राप्त होता है। डेयरी की प्रगति से ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अधिक संतुलित विकास होगा। दूध ग्रामीण इलाकों में रहने वालों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा के साथ ही जीवन की सुरक्षा भी देता है। दूध देने वाली एक गाय या भैंस पालना किसानों को आत्महत्या करने तक से बचा सकता है। आज डेयरी उद्योग कई तरह की परेशानियों से जूझ रहा है यथा-संगठित डेयरी फार्म का अभाव, निवेश की कमी, मशीनों और उपकरणों की ऊंची कीमतें। दूध जल्द खराब होने वाला प्रोडक्ट है इसलिए प्रोसेसिंग और उसे पाउडर, बटर, घी, पनीर जैसे लम्बे समय तक चलने वाले प्रोडक्ट में बदलना लग्जरी नहीं बल्कि जरूरत है। अतः डेयरी फार्म से आने वाली आय को कृषि आय घोषित किया जाये।